Item Code: 642 Participant Code: 337

विषय :- मुझे भी है एक सपना

मुझे भी है एक सपना।

नीले आसमान हवा इधर-उदर भाग रही है। नीले फूलों, पेड़-पौदे में पानी की बूंदें अटकी हुई हैं। रंग-बिरंगी गाँव। एक छोटी सी सुंदर बच्ची फूलों से और हवा के साथ खेल रही है। रंग-बिरंगी फूलों को छूकर मजे से गाना गाते खेल रहे हैं। वहाँ एक बड़ा आम का पेड़ है। उसके ऊपर एक तोता गाँव को देख रहा है। वो लड़की उस पेड की ओर आया और तोता से बात करने लगी। वो लड़की बहुत खुश हुआ कि एक तोता बोल सकता है। उसने उसके नाम

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

पूछा। तोते ने कहा को मुझे सब तोता ही बुलाता है और तुम्हारा नाम क्या है? लड़की ने हँसकर बोला मेरा नाम छोटू है मैं बहुत छोटा हूँ इसलिए सब मुझे छोटू नाम से बुलाता है। दोनों आपस में बात करते करते दोस्त बन गई अचानक छोटू के माँ बुलाने लगा और छोटू ने तोते से सलाम कहकर घर को और भागा।

दूसरे दिन तोते ने पेड़ के ऊपर छोटू को इन्तज़ार करके बैठ रहा था। कुछ समय के बाद छोटू पेड़ के पास आकर रोने लगी। तोते ने छोटू से बात पूछा पर छोटू ने रोनी

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 642 Participant Code: 337

हो रहा। छोटू ने रोना बंद करके तोते से बात करने लगा।

"छोटू : मुझे पढ़ना है। पढ़कर बड़े आदमी बनना है। मुझे एक सपना है।

तोता : पढ़ो, तुम्हें पढ़ना है तो पढ़ो। क्या सपना बताओ क्या है सपना?

छोटू : मेरा माँ मुझे पढ़ने नहीं दे रहा। मेरा बाप बीमार है और हमारे पास पैसे नहीं है इसलिए माँ ने कहाँ की पढ़ना बंद करो और काम पर उसके साथ गाना गिद कर रहा है।

तोता : हाँ बहुत दुखी की बात है। अब हम क्या

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 642 Participant Code: 337

करे । पैसे नहीं तो पढ़ाई कैसे चलेगा । तुम्हारे सपना क्या है बताओ ?

छोटू : मुझे पढ़ना है । पढ़कर ए. पी. जे अबदुल कलाम के तरह बनना है और हमारे गाँव में कई तरह की संविदान लाना है । हमारे गाँव की आस्पताल में कई संविदान की ज़रूरत है । हमारे गाँव के लोगों सुख से होना चाहिए । इसलिए मुझे पढ़कर बड़ी आदमी बनना है ।

तोता : हाँ, तुम्हारा मन बहुत विशाल है । मुझे

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

तुम्हारा सपना साकार करके देखना है। तुम ज़रूर पढ़ेगी। एकर कलाम की तरह बनोगी और हमारा गाँव एक बढ़िया सा गाँव बनवा दूंगा। मुझे यकीन है कि तुम्हारा सपना साकार होगा।

छोटू : कैसे, मुझे बहुत दुख हो रहा है। मेरा सपना क्या होगा। मुझे मेरा सपना साकार करना है। करना ही होगा।

तोता : हाँ, "मुझे भी है एक सपना"।

छोटू : क्या तुम्हें क्या है? बताओ ना।

तोता : मेरा सपना है कि मुझे मनुष्य की तरह आसानी

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 642 Participant Code: 331

से चल सकूँ, भाग सकूँ, नाच सकूँ .. मनुष्य की तरह सब करना है मुझे। वह मेरा एक बडा सपना है। मैं उस सपना साकार करूँगा। उसको प्रयत्न करूँगा।

छोटा : तुम्हारा सपना साकार हो सके।"

कई दिनों के बाद छोटू आम के पेड़ के पास आई पर तोते को नहीं दिखा। कई दिन छोटू तोते को देखकर पेड़ के पास रहा पर तोता नहीं आई। छोटू बहुत दुखी थी और पेड के पास आना बंद कर दिया।

एक दिन छोटू ने माँ के साथ बाज़ार में गया। वहाँ समय छोटू ने एक दुकान में

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

तोते को देखा पर उसने दुखी में है उसे कोई बांदा है। एक पिंजरे में दुखी रहो है वो छोटू ने उसके ओर चला और बात पूछा। तभी तोते ने बोला की इस दुकानदार ने मुझे पिंजरे में रखा है बेचने के लिए। छोटू बहुत दुख हुआ और उसने पिंजरे से बाहर निकालने को कोशिश की पर अचानक उस समय दुकानदार ने आकर छोटू ने उधर से भगा दिया। तोते के दुख देखकर छोटू ने माँ से उसको खरीदने के लिए कहाँ। पर उसको पास पैसे नहीं है इसके लिए। छोटू ने चुपके से दुकान को अंदर चलकर तोते का पिंजरा खुल दिया।

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 642 Participant Code: 337

पर उसकी पैर बाँध हुई थी। छोटू ने तोते के बारे में सोचा उसके खाने के बारे में सोचा और आखिर में तोते की कई तरीके से बचाने की कोशिश करने लगी और आखिर में तोते को बचा लिया। तोते ने छोटू को बहुत धन्यवाद कहकर उड गई। अगले दिन छोटू पेड के पास आई और तोते के साथ बात करने लगी। छोटू ने कहाँ की अगले दिन यहाँ ए. पी. जे. अब्दुल कलाम एक भाषण देने आ रहा है। तोते ने बहुत खुशी से छोटू से पूछा "क्या तुम कलाम से मिलोगी और तुम्हारा सपनों के बारे में बताओगी ?"

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

छोटू ने कहा की - "हाँ जानता है पर मुझे डर है। क्या उससे मिल पाओगे या नहीं"।

" तोता :- तुम एक अच्छी लड़के है। तुमने मुझे बचा दिया था। इसलिए मैंने तुम्हार लिए एक सहाय करूँगा। तुम एक किताब में तुम्हारा सपना के बारे में लिखो। मैं उसको कलाम जी पास देता हूँ।

छोटू :- सच में। बहुत धन्यवाद फिर मैं चलता हूँ

मैं मेरा डायरी में सपने की बारे में लिखना शुरू करता

है। फिर मिलेगा।"

(अगली दिन ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का भाषण चल रहा है।)

छोटू और तोता भाषण सुनने बैठा है। छोटू बहुत आश्चिरय से उसकी ओर देखता है और भाषण सुन रहा है। कई देर भाषण सुनने के बाद छोटू का मन बहुत खुश हुआ और आत्मविश्वास बढ़ गई। जब भाषण बंद हो गई और कलाम ने जाने लगा तोते ने छोटू की डायरी कलाम को पास दिया। कलाम ने उस डायरी को लेकर कार में गया।

छोटू ने बहुत दुख

हुआ कि "बलाम को कुछ नहीं कहा। क्या वो उस डायरी पढ़ा होगा या भेज दिया होगा"। इस तरह से छोटू बहुत उदास होने लगी। पर अगले दिन छोटू ने पेड़ के पास आई तब तोता वहाँ नहीं है। छोटू ने सोचा कि तोते को कोई पिंजरे में रखा होगा। छोटू ने कुछ देर पेड़ के पास रहा। तोते ने दूर से छोटू बुलाकर बहुत खुशी से हाथ में एक पत्र रखकर आ रहा है। छोटू ने तोते से बात पूछा तोते ने कहा कि "यह पत्र बलाम ने छोटू के लिए भेजा है"। छोटू बहुत खुश होकर वह पत्र पढ़ा। छोटू खुश होकर झूलने लगा।

तोता बात पूछा। छोटू ने कहाँ कि " कलाम ने मेरा सपना सकार करने की मदद करूँगा।" उसने बोला कि मुझे देखने यहाँ आऊँगा "।

तोता और छोटू खुश से इधर-उदर घूमने लगा।

कई दिनों के बाद कलाम छोटू से मिलने के लिए आया और पढाई केलिए पैसे दिया। छोटू और कलाम कुछ देर सपनों के बारे में बात करना लगा। कुछ देर बाद कलाम वापस गया। छोटू बहुत खुश है और उसकी परिवार भी।

(कई वर्षों के बाद)

गाँव में एक भाषण होने वाला

63rd Kerala School Kalolsavam - Jan 04 To 08, 2025 - Thiruvananthapuram

Item Code: 642 Participant Code: 337

है। श्री : छोटू सी । छोटू अब कलेक्टर है। कई लोगों की परेशानी दूर करने वाली एक बड़े आदमी। उसने भाषण के लिए स्टेज पर आया और भाषण शुरू किया। "मुझे भी है एक सपना" छोटू ने ये कहते हुए भाषण शुरू किया और उसकी बचपन की बातें उसकी दोस्त की बारे में और सपने की बारें में कहने लगी। उस समय एक बच्चे ने हाथ उठाकर कहाँ "मुझे भी है एक सपना"।

छोटू ने भाषण के बाद तोते को देखने गया और उसने बहुत खुश हुआ तोते ने मनुष्य

(This page will be scanned to publish the article in Schoolwiki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

की तरह बन गई। उसके सपना
साकार कर दिया। छोटू और
तोते बहुत खुश है कि
उसके सपने साकार हुई।
अब छोटू जाने लगा
तब वह हाथ उठाई बच्चे छोटू
के पास आई और कहाँ कि
मुझे भी तुम्हारे जैसा एक
सपना है। मुझे वह सपना
साकार करना है। मुझे मेरा
परिवार को बहुत खुशी से
देखना है। मेरा परिवार बहुत
गरीब है पर मेरे अंदर हिम्मत
है। अब तुम्हारे भाषण सुनते मेरा
मन की हिम्मत बढ़ गई।
छोटू खुशी से उसकी मदद
करने का वादा करकर वहाँ से
जाता है। तोता उसको देखता है। पेड़